अनमोल वचन

पवन कुमार शर्मा
आशुलिपिक
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की।

- यशस्वी-जीवन का एक घण्टा , यशरहित जीवन के एक युग के बराबर है । **टॉमस ओसवर**
- यदि पर्वत भी वृक्ष के समान आँधी में हिल उठे, तो दोनों में अन्तर ही क्या रह गया? **कालिदास**
- कोई अपनी रक्षा करना चाहे तो क्रोध से रक्षा करे । अन्यथा क्रोध ही उसे मार डालेगा । **तिरूवल्लुवर**
- जो मेरे साथ भलाई करता है, वह मुझे भला होना सिखा देता है। **टामस फुलर**
- ईश्वर के सामने सिर झुकाने से क्या लाभ अगर हृदय अपवित्र हो। **गुरूनानक**
- इससे पहले कि युद्ध मानव जाति का अन्त कर दे, मानव जाति को चाहिए कि वह युद्ध का अन्त कर दे। **जान.एफ.केनेडी**
- ईश्वर शान्ति चाहता है और ईश्वर की इच्छा के अनुसार चलना मनुष्य का परम कर्तव्य है । **टालस्टाय**
- प्रकृति परमात्मा की कला है । **टॉमस ब्राउन**
- अगर आप संसार में शांति चाहते हो तो अन्याय के लिए लड़िये। **अज्ञात**
- शासन का सुदृढ़ आधार न्याय है, करूणा नहीं । **विल्सन**
- बुराई करने वाले के साथ भलाई करने वाले महान होते हैं और दुश्मन भी उनके प्रगाढ़ दोस्त बन जाते हैं । **कुरान**
- कलह से मनुष्य के घर नष्ट हो जाते हैं कुवाक्य से मित्रता नष्ट हो जाती है, बुरे शासक से राष्ट्र नष्ट हो जाते हैं । **नीति वचन**
- छिप कर किया गया पाप , जीवन भर काँटे की तरह चुभंता है। **अमोध**
- प्रत्येक मनुष्य मानवता की सेवा करके ईश्वर के दर्शन कर सकता है। **महात्मा गाँधी**
- प्रतिभा जाति पर निर्भर नहीं होती । जो परिश्रमी है, वही प्रतिभावान हो सकता है। **शाह अब्दुल लतीफ**
- पूजा-अर्चना का तात्पर्य ईश्वर को प्रसन्न करना नहीं , बल्कि अपनी भक्ति भावना को विकसित करना है । **श्रीराम शर्मा आचार्य**